सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक 18 नवंबर 2021

चयनित आदर्श गाँव

> गाँव के विकास से भारत के विकास का मॉडल - यही उद्देश्य हमारे सामने है। हमारा विश्वास है - हम होंगे कामयाब।
> *- पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल*

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

AGY Documentary

sf10idealvillage
suryaadarshgaonyojna
surya_foundation
suryafoundation1
www.suryafoundation.org
suryafoundation
@suryafnd

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस

मूण्डला (मध्य प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन – आदर्श गाँव योजना के तहत 5 आयामों को लेकर गाँवों में कार्य किया जा रहा है। पाँच आयामों में एक है–स्वास्थ्य। इसके अंतर्गत प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा मिले इस पर भी निरंतर कार्य चल रहा है। जिससे लोगों को सस्ता और अच्छा उपचार समय पर मिले। इसी कड़ी में 18 नवंबर को मूण्डला में प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें गाँव के 45 बच्चों, युवाओं और सेवाभावियों ने हिस्सा लिया। गाँव के विद्यालय में यह कार्यक्रम रखा गया। जिसमें संस्कार केंद्र के 40 भैया–बहनें भी शामिल हुए।

सूर्या फाउण्डेशन के सहजोन प्रमुख आदरणीय शत्रुहन लाल कश्यप ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों और युवाओं को बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा एक ऐसी अनूठी प्रणाली है, जिसमें जीवन जीने की कला है और स्वास्थ्य के प्रोत्साहन, रोग निवारक और उपचारात्मक के साथ–साथ फिर से मजबूती प्रदान करने की भी अपार सम्भावनाएँ हैं।

इस कार्यक्रम को लेकर बच्चों और युवाओं में बड़ा उत्साह देखने को मिला और बच्चों ने प्राकृतिक चिकित्सा को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। सभी ने अपने चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी का लेप लगाकर लोगों को एक संदेश दिया कि चेहरे की सुंदरता को बढ़ाने के लिए यह सर्वश्रेष्ठ है।

अन्य कार्य

- गाँव में सार्वजनिक रूप से तुलसी विवाह महोत्सव का कार्यक्रम पूरे धूमधाम से मनाया गया। जिसमें 280 लोग मौजूद रहे।
- ग्रामीण आजीविका मिशन अधिकारियों की 35 महिला समूह के सदस्यों के साथ रोजगार को लेकर बैठक हुई।
- लक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह की दो बहनों ने (धापूबाई व पवित्रा बाई) दूध बिक्री का काम शुरू किया।

स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है, जब वो हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का साधन बनती है। हमारे राष्ट्रीयता का आधार भारत माता है। सिर्फ भारत नहीं, इसमें सिर्फ माता शब्द हटा लीजिये तो भारत मात्र एक जमीन का टुकड़ा मात्र बनकर रह जायेगा। भारतीय संस्कृति की यह मूल विशेषता है कि यह जीवन को विशाल और वृहद् रूप में देखती है।

–पं. दीनदयाल उपाध्याय

गोरखपुर दर्शन

लोनाँव (गोरखपुर)

अन्य कार्य

- पंचायत भवन पर 26 लोगों का आधार कार्ड संशोधन किया गया।
- 30 लोगों का श्रम कार्ड बनवाया गया।
- सेवाभावी विश्वनाथ जी द्वारा नालियों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया।

आज पूरे भारत वर्ष में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर कई प्रकार के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत गोरखपुर के गाँव लोनाँव में कई प्रकार के प्रकल्प चलाए जाते हैं, जैसे सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, सूर्या संस्कार केंद्र, स्वंय सहायता समूह आदि। इससे गाँव की महिलायें, नवयुवक एवं बच्चे लाभ ले रहे हैं।

दिनांक 15 नवंबर को सूर्या संस्कार केंद्र के बच्चों को गोरखपुर भ्रमण कराया गया। 35 बच्चों को बाबा गोरखनाथ जी के दर्शन के साथ-साथ गोरखनाथ नगरी में सबसे ज्यादा माने जाने वाले स्थान रामगढ़ ताल पर ले जाया गया। वहाँ पर बच्चों ने नौकायान एवं ताल का खूब आनंद लिया। बच्चों के चेहरे पर खुशी झलकती दिख रही थी। यह सभी बच्चों के लिये बहुत ही आनंदमय रहा। सभी बच्चों ने एक दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस भ्रमण कार्यक्रम मे यूथ क्लब के युवाओं का सहयोग रहा।

समरसता की ओर अग्रसर

कादीपुर (काशी)

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव कादीपुर (काशी) में आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत महोत्सव कार्यक्रम में शहीद वीरों को याद किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा भारत माता की आरती व पूजन किया गया। काशी क्षेत्र प्रमुख श्री कुलदीप मोहन शर्मा जी ने उपस्थित 115 लोगों को उन शहीद वीरों के बारे में बताया, जिन्होंने देशहित के लिए हँसते-हँसते अपनी जान दे दी। लोगों के मन में तिरंगा का मान-सम्मान व देशभक्ति जगाने के लिए यूथ क्लब के युवाओं द्वारा तिरंगा यात्रा भी निकाली गयी।

पशु टीकाकरण कार्यक्रम
गाँव - बसई का मंझरा, उत्तराखंड

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श-गाँव योजना के अंतर्गत गाँव- बसई का मंझरा (उत्तराखण्ड) में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पशुओं की बीमारियों से बचने के लिए **15 परिवार के 28 गाय, 12 भैंस व 1 बकरी का टीकाकरण किया गया।** पशुओं में बांझपन, मुंह में छाले, पेट में कीड़े, नाक का बहना, सहित कई प्रकार की बीमारियों की जांच कर, संबंधित बीमारियों के लिए दवाइयों का वितरण किया गया।

पशु पालकों द्वारा पशुओं की नस्ल सुधार को लेकर चर्चा की गई। डॉ. रवि जी ने बताया कि पशुओं की बीमारियों से बचाने के लिये पशुपालको को जागरूक रहना होगा। समय-समय पर टीकाकरण कराना होगा। इसके साथ सरकार द्वारा चलाई जा रही पशुपालकों के लिए सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। शिविर में सभी पशुपालकों का रजिस्ट्रेशन किया गया।

अन्य कार्य

- **ग्राम संगठन की 4 महिलाओं का सौर कोल्ड स्टोरेज भ्रमण कराया गया।**
- **संस्कार केन्द्र पर दिवाली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।**
- **गाँव मे 50 लोगों का ई-श्रम कार्ड बनबाया गया।**

मा. प्रधानमंत्री जी को संस्कार केन्द्र के बच्चों ने लिखा पोस्टकार्ड
सलोई (मध्य प्रदेश)

स्वयं सहायता समूह महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम फफूण्डा (मेरठ-उ.प्र.)

अन्य कार्य

- संस्कार केंद्र पर चित्रकला प्रतियोगिता कराई गयी जिसमें, 30 बच्चों ने भाग लिया।
- 110 लोगों के ई-श्रम कार्ड बनवाये गये।

स्वयं सहायता समूह एक महत्त्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जो महिलाओं को बेहतर नेतृत्व, निर्णय लेने, मूलभूत सुविधाओं की प्राप्ति और कौशल उन्नयन के मामले में सशक्त बनाती है। भेदभाव और वंचित महिलाओं की बड़ी संख्या को देखते हुए महिलाओं को अपने बल पर उद्यमी बनने के लिये प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। साथ ही समाज की अन्य कमजोर व गरीब महिलाओं के उत्थान के लिये भी प्रयासरत हैं।

महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने की दिशा में बढ़ रही हैं और ऐसा सकारात्मक परिणाम सूर्या फाउण्डेशन के प्रयासों से मेरठ क्षेत्र के आदर्श गाँव फफूण्डा में देखने को मिला है। मेरठ के स्थानीय उद्यमियों से बात करके मच्छरदानी बनाने का काम शुरू किया गया है। अभी शुरुआत में 20 महिलाएं जुड़कर काम कर रही हैं आगामी दिनों में इसे बड़े स्तर पर करने की योजना है।

सूर्या फाउण्डेशन की टीम के प्रयासों से गाँव में स्वरोजगार बढ़ाने के लिए मार्केट से कच्चा माल लाया जाता है, फिर मच्छरदानी तैयार करके उसे मार्केट के व्यापारियों के माध्यम से डीलरों तक भेजने की व्यवस्था हुई है। इस प्रकार काम का प्रशिक्षण और मार्केट उपलब्ध करवाने में सफलता प्राप्त हुई है। इससे महिलाओं के आर्थिक मजबूती मिली है। इससे महिलाओं की सामाजिक भागीदारी भी बढ़ेगी और अपने सपनों को जीने का मौका मिलेगा।

फाउण्डेशन के प्रयासों से आत्मनिर्भर होती महिलायें : नगलावर (मथुरा)

नगलावर गाँव में सूर्या फाउण्डेशन – आदर्श गाँव योजना द्वारा कई प्रकार के प्रकल्प चलाए जा रहे हैं, जैसे सूर्या संस्कार केंद्र, सूर्या यूथ क्लब, सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र, स्वयं सहायता समूह आदि। गाँव के अहिल्याबाई स्वयं सहायता समूह में कुल 10 महिलायें जुड़ी हैं। समूह की सदस्य ओमवती जी ने समूह से लोन लेकर बकरी पालन का रोजगार शुरु किया है, आज उनके पास 10 बकरियाँ है, वह घर पर बकरी पालन से लगभग 7000/– मासिक आमदनी कर लेती हैं।

ओमवती जी से प्रेरित होकर समूह की अध्यक्ष मन्जू देवी ने भी समूह से रु. 25000/– लोन लेकर गौ पालन के माध्यम से दूध बेचने का रोजगार शुरु किया है। वह इससे 5–6 हजार रुपए प्रतिमाह कमा लेती है।

इस तरह समूह के सदस्यों ने समूह से आर्थिक मदद लेकर रोजगार की शुरुआत की है और उसमें अधिकतर लोगों ने सफलता भी पायी हैं। इससे इनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

बनवाया गया 100% लाभार्थियों का श्रमिक कार्ड पेण्ड्री (छत्तीसगढ़)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत सेवा कार्य कर रहे हीरेंद्र साहू द्वारा कबीर कुटी आश्रम में श्रमिक कार्ड का रजिस्ट्रेशन एवं आयुष्मान कार्ड वितरण हेतु विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें गांव के 100% लाभार्थियों का श्रमिक कार्ड बनाया गया। इस श्रमिक कार्ड के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आने वाली विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लाभार्थियों को सहज रूप से प्राप्त हो सकेगा। इस क्षेत्र का आदर्श गाँव पेण्ड्री पहला ऐसा गाँव है, जहाँ पर सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ मिल रहा है। इसमें गाँव के जागरुक युवा एवं सेवाभावी और ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों के माध्यम से योजनाओं को सफलतापूर्वक लाभार्थियों तक पहुँचाने का काम किया जाता है।

अन्य गतिविधियों की झलकियाँ

किसानों का केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान भ्रमण, साथ में श्री गौतम जी (प्रशिक्षण प्रमुख-सूर्या फाउण्डेशन)

गाँव-पेण्ड्री (छ.ग.) में सिलाई केन्द्र की बहनों के साथ श्री प्रमोद आसरे जी (आदर्श गाँव योजना प्रमुख)

गाँव-नगलवार (मथुरा) में महिलाओं ने रोजगार हेतु शुरु किया पॉलीहाउस (फूल बेचने का कार्य)

समाचार पत्रों में...

निमेडा मे प्रथम वॉलीबॉल कप की शुरूआत

मरूधर बुलेटिन/निमेडा। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत गांव निमेड़ा में विवेकानंद नवयुवक मंडल के तत्वावधान में सूर्या फाउंडेशन, नारायणा क्रिकेट अकादमी के सहयोग से बॉलीवॉल कप का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्घाटन शुक्रवार को किया गया।मंडल अध्यक्ष गोविंद के अनुसार प्रतियोगिता का उद्घाटन मदन बुरी (पंचायत समिति सदस्य), लालाराम प्रजापत, कानाराम चौधरी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में मंडल सदस्य दुलाराम चौधरी, मुकेश वर्मा, शैलेश टेलर, कानाराम सैन, रमेश प्रजापत,मनोज शर्मा, नीरज

ग्रामीण महिलाओं ने दीये बनाना सीखा

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित आदर्श गांव योजना के अंतर्गत नया गांव में गौ आधारित उत्पाद के शिविर में गांव की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया था महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गाय के गोबर व मिट्टी के मिश्रण से दीपक बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक संजय तिवारी ने बताया कि गाय का ताजा गोबर 700 ग्राम तालाब की काली चिकनी मिट्टी या मुल्तानी मिट्टी 250 ग्राम और 50 ग्राम मैदा लकड़ी को को एक दिन पहले मिलाकर रख दें, फिर दूसरे दिन दीपक बनाने में प्रयोग करें। जिससे दीपक अच्छा एवं सुंदर बनेगा। इसस महिलाएं कम लागत में अपने घर में ही सुंदर दीपक बना सकती हैं। इन दीपकों की मार्केटिंग भी की जा सकती है। एक छोटी सी शुरुआत करने की कोशिश में नया गांव की महिलाओं ने दीपक बनाए। इनका मूल्य 2 रुपये प्रति दीपक रखा गया। सूर्या रोशनी बहादुरगढ़ के सीसीओ संजय यादव ने 200 दीपक प्लांट के मंदिर में दीप उत्सव के लिए और अन्य कार्यकर्ताओं ने महिलाओं से 500 दीपक खरीद। उन्होंने कहा की अगली बार हम अधिक दीपक लेंगे गांव की महिलाएं लगभग एक हजार दीपक बनाकर बेच चुकी हैं। फाउंडेशन का प्रयास है कि अधिक से अधिक महिलाएं आत्म

दीनदयाल धाम में मनाया गया गोपाष्टमी उत्सव

• उ०प्र० में राजकोष से पाली जा रही हैं गाय : लक्ष्मी नारायण

संवाददाता —बांके शर्मा

फरह। लक्ष्मी नारायण चौधरी, दुग्ध विकास एवं पशुपालन मंत्री उ०प्र० सरकार ने गोपाष्टमी के अवसर पर दीनदयाल धाम मे आयोजित समारोह में कहा कि पूरे देश मे ऐसा कोई उदाहरण नही है कि कभी राजकोष से गायों को पाला गया हो। यह उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि पहली बार गौरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने और आज सरकार द्वारा सात लाख गायों के भरण–पोषण का कार्य राजकोष से किया गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गौ संवर्धन और संरक्षण के किए जा रहे कार्यों को बताते हुए कहा कि अब तक लगभग दो सौ वृहद गौशाला संरक्षण केंद्रों का निर्माण किया जा चुका है और साढ़े पांच हजार गौशालाए बनाई चुकी हैं। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री जी की योजना है जो भी किसान एक से चार गाय हमारी गौशालाओं से लेकर रखना चाहे तो उसके भरण पोषण के लिए सरकार प्रति गाय नौ सौ रुपये की धनराशि गौपालकों को देती है।लक्ष्मीनारायण चौधरी ने कहा कि वर्तमान में गायों के लिए 520 एंबुलेंस उत्तर प्रदेश मे शीघ्र कार्यान्वित होने वाली हैं, जिस तरह से व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था है जैसे ही खबर आती है तत्काल एंबुलेंस लेने पहुंचती है। उसी तरह से एक कॉल सेंटर लखनऊ में बनाया जाएगा। कॉल सेंटर का नंबर मिलते ही 15 मिनट में एंबुलेंस सेवा हर गाय पा

व्यक्ति मानता है। आज गायों को लेकर जो समस्या पैदा हुई है वह केवल मशीनीकरण की वजह से है। पहले जो खेती का पूरा कार्य बैलो और बछड़ों के द्वारा होता था। अब वह मशीनों से हो रहा है। गाय पालन के महत्व को जनसामान्य मे बताने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शंकरलाल अखिल भारतीय संरक्षक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि कोरोना काल मे जो भी व्यक्ति देसी गाय के साथ रहे उनमें से किसी को भी कोरोना नही हुआ। गाय पर शोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गाय एक चलता–फिरता डॉक्टर है। गौ पालन करने पर जोर देते हुए बताया कि गाय के दूध के सेवन से मानसिक बीमारियां सहित शरीर की अन्य बीमारियां ठीक हो जाती है। शंकर लाल ने गाय के दूध, घी, मट्ठा, गोबर और गोमूत्र से विभिन्न बीमारियों के उपचार करने पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गाय माता मे अथाह शक्ति है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। गाय पशु नही, बल्कि गाय हमारी माता है।अजीत महापात्र अखिल भारतीय संयोजक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि गौ सेवा राष्ट्र और जगत की

प्रयोग करें।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सूर्यप्रकाश टौंक क्षेत्र संघचालक पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने कहा कि की प्राचीन भारत मे ऋषि मुनियों ने जो जीवन शैली स्थापित की थी उस कारण से पूरा विश्व भारत की तरफ देखता था। उसे आज अपनाने की आवश्यकता है, जिससे हम फिर से प्राचीन भारत के गौरव को प्राप्त कर सकें। उन्होंने ऋषि–मुनियों द्वारा दी गई पूर्व की जीवन शैली को पुनर्संस्थापित करने पर बल दिया।श्री कृष्ण चंद शास्त्री भागवताचार्य ने कहा कि गाय विश्व की माता है। वेदों मे गौ माता के अनंत अर्थ किए गए हैं। यह जगत जननी हैं। इसके रोम–रोम में देवता निवास करते हैं। पहली बार गोपाष्टमी पर भगवान श्री कृष्ण ने गौचारण शुरू किया। जो देसी गाय के दूध का प्रतिदिन सेवन करते हैं उनके शरीर में कभी कोई विकार नहीं होता है। उन्होंने बताया कि गोमूत्र में स्वर्ण पाया जाता है। डॉ शिवेंद्र कश्यप डीन कृषि महाविद्यालय पंतनगर ने महर्षि पाराशर कृषि ग्रंथ आधारित सिद्धांतों को सभी विश्वविद्यालयों एवं शोध केंद्रों में स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ०

पर्व पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर सेकेंडरी स्कूल में अतिथियों के द्वारा सामूहिक सिद्धि पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात एकल गीत के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।समारोह में महेंद्र शर्मा क्षेत्र प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिम उत्तर प्रदेश, बलदेव विधायक पूरन प्रकाश, आगरा विधायक योगेंद्र उपाध्याय, खैरागढ़ विधायक महेश गोयल, पूर्व मंत्री ठा० जयवीर सिंह, दीनदयाल धाम निदेशक सोनपाल, राजवीर दीक्षित प्रांत प्रमुख ग्राम विकास विभाग, रमाकांत उपाध्याय ब्रज प्रांत संयोजक गौ गतिविधि, डा० रोशन लाल, डॉ० रामबाबू हरित अध्यक्ष एससी– एसटी आयोग, नवीन जैन महापौर आगरा, जनार्दन शर्मा सांसद प्रतिनिधि, महामंडलेश्वर स्वामी रूपेश महाराज, केईएन राघवन, मुकुल उपाध्याय हाथरस, नरेंद्र पाठक, प्रचार मंत्री मुकेश शर्मा, चेतन स्वरूप पाराशर, विनोद चौधरी, अवधेश उपाध्याय, ठा० महीपाल सिंह, ब्रजमोहन गौड़, लाल सिंह, राम पाठक, निर्मला दीक्षित, सुरेश तरकर, मुकेश कौशिक आदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क और भाजपा पदाधिकारी

Visit Facebook page for More Details

Lonav | Naglawar | Kadipur | Fafunda | Basai

Mundla | Saloi | Nayagaon | Pendri | Nandiyakalla